पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने उर्दू पत्रिका 'अदबी नशेमन' के विशेषांक अनवर जलालपुरी का विमोचन किया

लखनऊः 8 मार्च, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में उर्दू त्रैमासिक पत्रिका 'अदबी नशेमन' द्वारा प्रकाशित अनवर जलालपुरी विशेषांक का विमोचन किया। इस अवसर पर राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर, पत्रिका के सम्पादक डाॅ0 सलीम अहमद, सलाहकार श्री रफत आज़मी, डाॅ0 कुदसिया बानो, डाॅ0 बुशरा, श्री रफीक अहमद व श्री हबीब उज्जमां भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'इस बात का दुःख है कि अनवर जलालपुरी को पद्मश्री पुरस्कार देने की घोषणा उनके निधन के बाद हुई। राजभवन में पद्म सम्मान से अलंकृत महानुभावो का सत्कार कार्यक्रम रखा जाता है। इस वर्ष 28 मार्च को राजभवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है, पर अफसोस कि वे नहीं होंगे। हालांकि सम्मान समारोह में उनके परिजनों को आमंत्रित किया गया है।' उन्होंने कहा कि अनवर जलालपुरी से कई बार भेंट करने का उन्हें अवसर मिला है। उर्दू रायटर्स फोरम द्वारा पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' पर आयोजित परिचर्चा में अनवर जलालपुरी को सुनने का अवसर मिला था। अनवर जलालपुरी पर विशेषांक प्रकाशित करना, उनको श्रद्धांजलि देने का अभिनन्दनीय प्रयास है।

श्री नाईक ने कहा कि उर्दू किसी वर्ग विशेष की भाषा नहीं है। लोगों को शायद पूरी जानकारी नहीं है, उर्दू को समृद्ध करने में हिन्दू और मुसलमानों ने संयुक्त रूप से काम किया है। हमारे देश में ऐसे अनेक उर्दू विद्धान हैं जैसे प्रेमचन्द, फिराक गोरखपुरी, गोपीचंद नारंग, बृजनारायण चकबस्त कुछ ऐसे नाम हैं जिन्होंने उर्दू को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिन्दी के बाद सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा उर्दू है। लगभग हर प्रदेश में उर्दू बोलने वाले लोग मिलेंगे। राज्यपाल ने कहा कि उन्हें इस बात का समाधान है कि राजभवन के समस्त गेटों पर हिन्दी, उर्दू व अंग्रेजी तीनों भाषा में राजभवन व गेट संख्या अंकित किया गया है। इसी दृष्टि से उन्होंने मंत्रियों को दिलाई जाने वाली शपथ को भी उर्दू में तैयार कराया था। उन्होंने कहा कि उर्दू एक अच्छी भाषा है, उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

राज्यपाल ने इस अवसर पर पत्रिका के सम्पादक श्री सलीम अहमद को अपनी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' की उर्दू प्रति भेंट की।

अंजुम/ललित/राजभवन (94/10)